

DPN 6126

Title : महीन्द्रमल्लयाप्यारवं व म्ये MAHĪNDRA MALLAYĀ PYĀKHAN WA
MYE

Run. No. 6817

Cat. No.

Micro. No.

Subject नाटक व Play and Mantras ✓
मन्त्र ✓
Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith. / New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.5 x 8.5

Folios 26

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS ८९३.

* Ruler / place * Sahadeva Bhaju

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

वीर महीन्द्र मन सुन जोवति उनसा मीले तोलती ॥ लू ५ ॥ इति पद्यमाहुः ॥

P.T.O.

△. श्री सहदेव भाजुन श्री भाजुधंयात चोखं विमा ज्पूमज्पू सन्दखन मायाय मार
शुभं ॥ संवत् ८५३ जेष्ठ कृत्तिका १ श्री ३ भिमसेन साहदे शुभमस्तु ॥

कदविदख अऊँडावनकामनिलख॥वीवमहीनु रुनसूनओवनिउनसा
मीलनालनी॥ ल७ ॥ ॥ ॐ नित्यथमाकः॥ ॥ अथद्वितीयाकः॥
॥ ॥ वागसूक्त्याल॥ वा॥ मागरुवानिगिनिवाजक आरी ऊययवमः
ध्वनि शंकववकादिककववुवसवा॥ ६ ॥ गववुमाताउडाववः
जायि रुसरुवगन अगहिमादायि॥ सकलरुयनिमलि वीवपीमही
नुमन्त लाकनाथयदगुल गववु कलरुगआविकरु वाधध्वनिमग
संगकविथविजयमाका ॐ नित्यथमायि॥ ॥ नयानिधिवाजविधावक

दकवाज अथिवाज युवगवा॥ वागवामकरी॥ डा॥ गुवविद्रुजाननहिचः
रुवान कडानकहासकेसआया॥ कदागयायविमान॥ आगइगुनिकाळ
नदख डाह आत्मावाम॥ ॥ यरुम॥ वागगाति॥ वा॥ वदमनुदधिसूः
वमनिवाज अरुननिलमधुगुनकिया आरुन सरुमदामनिकिया मीः
गलकाऊ॥ ॥ काकासव ववदुथम॥ वागयऊ॥ वा॥ मावि२ दवल
आयी॥ ॥ यरुसनक॥ काकासवंम॥ वागसावथ॥ य॥ वाजकाकाः
सुदवलि गडलिय सुवगमर्यया नाववखानवीव असुवगजा॥ ॥

तथाथा ॥ १०८ ॥ दितसमाननाम ॥ चलतहउसलासाथा ॥ ॥ सखवम ॥ नागदवगन्नाला ॥
॥ ॥ चलासखिन्नामनासामिलि ॥ वाहुता ॥ खवकतालमानसवगवतहउमनहि ॥ मा ॥
नमकुटपीताम्रवधवमूललीलाधवि ॥ वाकासवसुवदनरुमजागतकवयतारुमवदि ॥
॥ ॥ ल२ ॥ ॥ ॥ सखी ॥ यकमातवि ॥ अनिवरू ॥ कवव ॥ सवगम ॥ नागमल्लाल ॥ ॥ ॥

ॐ नमो विद्मं जिं कं कौ नां मुखिं जों र हिं हिं हिं ईं ईं ईं ईं
हं हं हं हं हं ॥ १०८ ॥

ॐ नमो नृत्तनाथाय नमः ॥ नागमालवा ॥ ॥ ॥ सूनीरसुखिमानवद
इरव ॥ आ ॥ मा ॥ न ॥ जी ॥ व ॥ न ॥ अ ॥ क ॥ का ॥ ॥ य ॥ न ॥ नि ॥ वि ॥ ल ॥ व ॥ ध ॥ ग ॥ न ॥ म ॥ न ॥ ना ॥ थ ॥
वि ॥ वि ॥ मि ॥ हा ॥ व ॥ न ॥ सु ॥ सा ॥ ध ॥ ॥ य ॥ न ॥ ध ॥ न ॥ य ॥ न ॥ ति ॥ नि ॥ र ॥ वि ॥ न ॥ हि ॥ वा ॥ य ॥ म ॥ हा ॥ ल ॥
रू ॥ य ॥ नि ॥ म ॥ य ॥ ॥ ना ॥ ग ॥ का ॥ रि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ म ॥ न ॥ जि ॥ न ॥ रु ॥ म ॥ द ॥ रि ॥ य ॥ ला ॥ ॥ ॥ ॥ ध ॥ ॥ न ॥ न ॥
म ॥ र ॥ य ॥ क ॥ वि ॥ हि ॥ म ॥ क ॥ न ॥ हा ॥ म ॥ न ॥ य ॥ न ॥ र ॥ व ॥ न ॥ म ॥ न ॥ ॥ य ॥ व ॥ ल ॥ ल ॥ य ॥ नि ॥ वि ॥
न ॥ म ॥ न ॥ दा ॥ न ॥ सु ॥ नि ॥ न ॥ का ॥ म ॥ वा ॥ न ॥ ॥ ध ॥ ॥ न ॥ जि ॥ न ॥ सु ॥ न ॥ दि ॥ स ॥ रु ॥ ज ॥ स ॥ य ॥

नि. मासा तु म ज ऊ. क रु त ज ग ग उ वि त रु य ति म ही नु सिं ह न ज ऊ ॥
 न ज मा त थ ॥ वा ॥ जा ह ला यि ना म क थ म ॥ वे क न स क ट ह न त
 क र नि क त त नि के य न नु हि ख न त क स न लो यि कि व
 अ न उ व म न व स न ह म न स न ल ह य ना म वी न का यी ॥
 ना न क मा न धु य न म व न के न जा ह न घु ना थ या स सा नि स वे द सु नि
 अ व मा न हा य उ ड न म न जी व न अ स ॥ वा ग क ल्या न ॥ वा ॥ म ला इ
 ज ज ऊ य ज स र ज स न ग ध म न ख न न का र लि म ल ॥ ध्रु ॥ म न क य
 नि म म ॥ म म र व रु वि हा स ॥ वि म ल वि यि न म य वि वि ध वि ला

सं द म न थ म ज ऊ ॥ न ज य ति रु य ति म ही नु म थ ॥
 १ ॥ अ थ स ल व त य स्या का त ल त ल वा ल यं द
 रु रु रु त य ज्व ल यं द न न का या अ वू जा
 या दा अ त य रु म ॥ थ त श व स र वा क म नः
 जा या ज ग म क म्या लः दू प के स तः स व दः क र ल
 श्री ख म पि यि क षि स वा वा ला ज न के ह ल

[illegible]

ॐ नमः श्री गाल सायन ना नायन नमः स्वर्ण नर वैव नर ह मी द
विं स ल ख लि वैव न ना डाय म न य ॥ ७७ ॥ १ म सु ॥ ५

ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ हगनाय त्रिं हं
रुद्र साहा ॥ ॐ ॥ व्यादना वाङ्मनसिनः ॥ ॐ
स्य न क मिसावस्य ॥

ॐ ह्रीं श्रीं गङ्गा यमुनी च ईं रुद्र स्वाहा ॥ धर्म
कृत्तः पू १२ द्वाद्द्वि तान ग्व ३ ग्व विना ज नक्
गमन सिनः साधनः वृत्तं इय नः स वि वि स
उसिरी वि न वृत्तः वि ० स मा रु निरु य म न
या स दा डा मं ग थ ॥ ॐ ह न ॐ गी व नू ग्री रु न

य ईं रुद्र स्वाहा ॥ धर्म गद्या न न देव धिय
कं इय मा रु निरु यः धर्मा रु मि ज प्र य मं
ग थ ॥ ॐ अ म कि अ म का व स्य मा ना य नु स्वा हा
॥ धर्मा रु निन के ॥ सिद्धि उ नू आ स ॥ ॐ न मा
ॐ ईं डी ३ ईं रुद्र स्वाहा ॥ धर्मा ३ धर्म ग नः ग्व ग्व
रु न ज वृ वा डा हा न व स ॥

ॐ नमो भगवते स्वाहा ॥ ध्या ३ नं रवे ज ह्र वा डा ल्व न
के म वा वू य रु य के ॥ ॐ न मा का म दे वा यः मंद २
म न य १ मा ह य २ भू म क व स सा ना य डी स्वा
हा ॥ ध्या ३ ध मं ग न ना ला डा डा डा य न व व स ॥
ॐ न मा भू न श्रा हा ॐ न मा ज ना ना ग ना ना के ना
गः क की ग क ना वा मं वृ न स्वा हा ॥ ध्या १ रा डा

वा डा हा न वि या न सु ना य नं रवे न ग डा ध
स हा न वि या ॥ ॐ गी ठ न र स्थान म ४ ॥ ॐ न मा का
म नू वि नी स्वा हा । म क मा न न जू न वि धं स
इ ॥ ध्या ३ म य नः भू ठ न त्रिः ३ हा य के गः र व
डा ना न ज ह्र य ॥ ध्या सू य न रा डा सः ग नं

सिद्धाव न्य सी ॥ ३ ॥ अथ धर्मगान डान् स कथन
रुद्र के वचन मंग ॥ धर्म पतन धर्म कुरु
राह ॥ ३ ॥ असंका तमका कवा न न वाई
रुद्र स्वाहा ॥ ४ ॥ मा स्या वृय इना ॥ ३ ॥ स उ
वे ॥ ५ ॥ १०० धन नयक कवान सवृय के म

वा वृय मरु या रु यक ॥ ३ ॥ का मि र वानी
काम न र वानी वज जा शि वा वा क क इ इ
मंग गान गानि ॥ अथ स उ नृ आ इ ॥ ५ ॥ १०
धर्म गन गन वि ज द वा डा क ध न र वा म
ग काम मंग ॥ ३ ॥ का नि का ध नृ धा जी ॥ १ ॥ धर्म गन न र व
ज प र व न र

सर्वना नं ४ सर्वना नं वा गा हा देक डिगा डिइ
रुद स्वा हा वा न का मा नि गी द्वि गु नू ग्रा हा
ई रुद स्वा हा ॥ ५१ ॥ हि द्वि य मं ग थ इ नी ॥
ॐ नं नं नं नं नं ड ग य २ डा व य २ किं वि क्षा व
य २ कं शा र य २ हं ४ वि धं स य २ स्वा हा ॥ ५२ ॥

सं ग म म ग म ना मं ग ॥ ॐ स नं नं स नं नू ख र्क ॥
स ना रं ज न मं ग ॥ वा म ग म च क वि द्या ॥ ॐ सि
धी गु नू ग्रा हा ॥ ॐ नं नं नं ॥ व ज क व चा
य र्क य मि न र्क न र्क स्वा हा र्क ॥ ५३ ॥ क ड
च या य मं ग थ इ नी ॥ ॐ गु नू ग्रा हा स्वा मि

मिका उपव्यन आ गम द्व म आ वा २ च वा
गम ना म मि आ ग्या ॥ शीढ मि द्व न जय न प
य या क्षया म का या डा मि द्व न न कि य क्षः
ने ॥ **उं** यि सिं दू नू गो सा ॥ **ध** ॥ मि खां सख
मि नू डा या रं ख स का सा का डाय य ॥ **ध** ॥

उ न म सि द्वि गउ नू आ डा उ हा कू क विहा
कू रु हू खा हा ॥ **ध** ॥ धर्म गन कि मि या डम स्या
कया भान स्या कया सा द्म वि क या सम सध
मं ग न जि डा ॥ **उं** मू चू क प्रिय स्वा हा ॥ **ध**
२ भू न क च के श नो ॥ **रि** य २ का नी रु डी

नमः शिवाय नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ का म न रू द वि हा द त म्ब हाः ॐ ज सिं ध न न
ति य ऊ य स पं ना म क था व ति य ह त सा मि सा
ति के मि हा यि हा व यि क्क॥

ॐ नमो नृपे नाथाय विमले
सर्वरूपः ॥ १० ॥ इति ॐ समुद्र

सर्वरुः ॥ १० ॥ दि० ॥ ३३ ॥



ॐ श्री माहिनी ज्वला जीनी चित्त कुसा जीव ज्ञान

ॐ श्री माहिनी ज्वलामीनी विनकुमात्री वरुणा

गी नी श्री सा ई ई ह त न्या हाः वा १० र या ह नि

हयश

यो हंस न योऽस्य नन

5

0

5

एताऽकनाला॥ ३॥ एवानि क्वीवनतस्तनसदात्त॥ ४॥ एते तं सागसकपगम
 पशानवनमविधकमजाका॥ भादयावसज्ञनञ्जतेनप्रदुनयूयावपाप
 नतमऽभाक॥ ५॥ ख्युत्रिवनगतपयनया॥ ६॥ सलितभ्रतिस्तिख
 दाँ॥ ७॥ वलनार्तखरुतिथ्युनिजि॥ ८॥ उतिमवाधयिननसदाता॥ ९॥ सम
 गिन्मदितिदवितरगनय॥ मृशुतिरजतेखद्वाप॥ १०॥ नाथजनयनि
 सनतभवमद्विद्वन्विनानसदाप॥ ११॥ एताऽकनाला॥ १२॥ ॐ सलि
 जननिशत्राडिजंजानाडिनेनमनकननरुमसिमाडाग्याडातनजिनि
 दाड॥ १३॥ खखनमखस्यजान॥ खइडाखमखनेखहेनखनेइखप॥ १४॥

रूपारथरुपाडायादरुचिनरुयमरुदकाजावादादूकाव
 दानकाखनदन॥ रुहितकवितनकायजिक्काकुरवदाडा॥ १५॥ लिलि
 सलिदाडाइयालिइप्रलिमखयालिमनडायालिविनाडा॥ कवधिकमणिज
 गिशमडाकुडिगतिक्काकाड्ड॥ उतिहेतिमाँ॥ १६॥ रासददवराशन
 श्रीराइधंपागवास्पविपाश्मश्मसकयनमायापमान॥ १७॥
 संवा॥ १८॥ १३॥ वक्क॥ श्रीरिमसतसाह॥ १९॥ सुहमलुध॥

नागप्रथमं लि॥ प्र॥ मननमद्वैतं (अखकदा दयासा मननमद्वैतं
खकदा तागतखकदा कुरुलादा चहिराडा नवादा थवकवा
दापालिसडादा विनतिजुकिख द्वादा॥ ५॥ सदनखकाजिमडादा ॥ १॥
धमसादा मूदसददानसस ददा दकाकलानसकदा॥ ५॥ विस्वास ददा
दा हयाथसदा दादताकाजिन ददा मननमद्वैतं सुखनवादानस
पावसासजिडादा॥ ५॥ द्वाक द्वादासापासददा थजनमसजिडादा
मननमद्वैतं दधधदा वावकनस्वगत द्वादा॥ ५॥ ॥ ॥ गिलिक
नासहिलंगसदासिकनंग दानिनगदालि हादनगिलिजयकसगसदासिव
हालि हा॥ ५॥ नगवतात्रसमा स ॥ नगहा दाजिनि दाजिनिर्मगसदासीखा॥

हालि हा यात्रावति विनतिकल॥ नगहा नाचद मगनमद्वैतं सदाति
वाहालि हा॥ गमडाहि वावत्रिसमक॥ नगहालिराद धनुत्रयधमगदा
सिवहालि हा॥ युवाचन्दन नगगायक॥ नगहा निनंगहा॥ चिनकचरास
मासमकगदासिव॥ हात्रि हा॥ सवमिलि चिनकचगं सुकनंगहा॥ तनय
विद्यापति रंगसदासिव॥ हालि हा शिवा सुख सन दानान सुत ध अरनरा

ॐ सिनी नाथय नाथन वृजा पांय मासु शखेत्रमदप
कंकपुत्रमानुत्रिनापदा हाखा न मासु खोतुय
कंतविधी २५

यः अत्र यः अकत्र मन् ॥ देवनका यः अत्र मन् ॥ ^x ~~शुक्रक~~ ~~म~~
 यावान्तिनः ज्ञाथयात्तगतिनः डायी डारव डारव ~~म~~
 वतिक ॥ ५ ॥ ॥ गुरु ॥ प्राग ॥ मन्त्र ॥ ५ ॥ चलका
 पंथीः पद न कि वलना ॥ श्री वल कुत्र नि सांथ र
 लि व तना ॥ ५ ॥ मदि द कि ड त म

१०० मं डु धा य ॥ पथ
 १०० मं डु धा य ॥ पथ
 १०० मं डु धा य ॥ पथ
 १०० मं डु धा य ॥ पथ
 १०० मं डु धा य ॥ पथ



१०० मं डु धा य ॥ पथ
 १०० मं डु धा य ॥ पथ
 १०० मं डु धा य ॥ पथ
 १०० मं डु धा य ॥ पथ

ॐ विं सिंह लू तो स धाल ॥ खती अअ या लख स
का सा य का अ पू य ॥ ॐ ल जा भा न प्र रा मी
को स व र ना भा न दू दू सा ता धा न ॥ ॐ य व र व
ल या अ स क ल्य भा न र ल ॥ ॐ आ सि धु सि मा
॥ सा स ख सा या स दा य क वा व के ना य न दा

क या ॐ दू जार ग अ ति ना म ०० धाल १०८७
वृ ति र व त य अ य याल या ॥ ॐ दू वं ते सा
का धा न ॥ भ व न म धू या त सा ल ख स र्जा त
प त्व न के ॐ या ट र रू दू का ल न दू ते न

हैं रक्षा लगे यक न ज प ल व म सा या म् स
कय कै व स या यर ३० रु न की श्री श्री श्री
श्री क ल सिद्धि माता है य वा य श्री सा सा
सु सु श्र य ८ है त वि दे वा य द्वा का कि क
है

वाल का मा ति दे वा ये आ ग कर श्र व त ल र
श्र व ल सा का श्री १०८ खा के इ ला ॥ २३० श्री वा
र ८ सा का ल य स सा न ज य वा अ न रू
क क त या श्री २१ हि २३ श्री सि धू ल सा ल

15

10

5

0

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

CMS

5

10

15

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

Handwritten text on the top page of a manuscript, featuring six lines of script in a cursive style on aged, yellowed paper. The script is dark brown or black ink. The first line begins with a small red mark. The paper shows signs of wear and discoloration.

Handwritten text on the bottom page of a manuscript, featuring six lines of script in a cursive style on aged, yellowed paper. The script is dark brown or black ink. The first line begins with a small red mark. The paper shows signs of wear and discoloration.

15

10

5

0

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written on aged, yellowed paper. The first line is underlined and has some red ink markings. The script is a mix of standard Devanagari characters and some stylized or variant forms. The text is arranged in four lines on the top half of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written on aged, yellowed paper. The first line is underlined and has some red ink markings. The script is a mix of standard Devanagari characters and some stylized or variant forms. The text is arranged in four lines on the bottom half of the page.

CMS 5 10 15 20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥